रिसर्च एण्ड डेवलपमेन्ट सेल
जैन विश्व भारती संस्थान, लाडनूं (राजस्थान)
Research and Development Cell
Jain Vishva Bharati Institute, Ladnun (Rajasthan)

बैठक–वृत्त

शोध मण्डल की बैठक दिनांक 25.10.2023 को अपराह्न 03.30 बजे कुलपति सेमीनार कक्ष में कुलपति महोदय की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें निम्नांकित सदस्य उपस्थित थे–

1. प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी, विभागाध्यक्ष, जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन विभाग की ओर से
2. प्रो. नलिन कुमार शास्त्री, कुलपति महोदय द्वारा विशेष आमंत्रित सदस्य
3. प्रो. जिनेन्द्र कुमार जैन, विभागाध्यक्ष, प्राकृत एवं संस्कृत विभाग एवं निदेशक, शोध
4. डॉ. प्रद्युम्न सिंह शेखावत, विभागाध्यक्ष, योग एवं जीवन विज्ञान विभाग
5. डॉ. रवीन्द्र सिंह राठौड़, विभागाध्यक्ष, अहिंसा एवं शांति विभाग तथा समाज कार्य विभाग
6. प्रो. बनवारी लाल जैन, विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग
7. प्रो. रेखा तिवारी, विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग

सर्वप्रथम शोध एवं विकास प्रकोष्ठ के निदेशक ने सभी का स्वागत एवं अभिनन्दन करते हुए बैठक प्रारम्भ की। बैठक में निम्नांकित निर्णय लिये गये–

1. जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन विभाग की विभागाध्यक्षा प्रो. समणी ऋजु प्रज्ञा जी की अनुपस्थिति की स्वीकृति दी गई तथा उनके स्थान पर प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी जी को आमंत्रित किया गया।
2. दिनांक 03.01.2022 को आयोजित शोध मण्डल के बैठक–वृत्त को स्वीकृति प्रदान की गई।
3. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (पी–एच.डी. उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदण्ड और प्रक्रिया) विनिमय, 2022 [(University Grants Commission (Minimum Standards and Procedures for Award of Ph.D. Degree) Regulation, 2022)]* के कार्यान्वयन की गहन विचार–विमर्श के उपरान्त शोध मण्डल द्वारा निम्नांकित बिन्दुओं की स्वीकृति प्रदान की गई:–

A. पर्यवेक्षक (Supervisor) की स्वीकृति :

(1) सहायक प्रोफेसर के रूप में काम करने वाले स्थायी संकाय सदस्य जो पी–एच.डी. उपाधि धारक हो तथा जिसके द्वारा पीयर–रिव्यू या संदर्भित पत्रिकाओं में कम से कम तीन शोध प्रकाशन प्रकाशित किए गए हों उन्हें ही विश्वविद्यालय अथवा इसके सम्बद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालयों/संस्थानों में शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता दी जा सकती है जहां वे कार्यरत हैं। ऐसे मान्यता प्राप्त शोध पर्यवेक्षक अन्य संस्थानों में शोधार्थियों के पर्यवेक्षक नहीं हो सकते हैं, पर वहां वे केवल सह–पर्यवेक्षक के रूप में कार्य कर सकते हैं।

केन्द्र सरकार/राज्य सरकार के अनुसंधान संस्थानों में कार्यरत पी–एच.डी. शोधार्थी जिनकी डिग्री उच्चतर शिक्षण संस्थानों द्वारा दी जाती है, ऐसे शोध संस्थानों के वैज्ञानिक जो प्रोफेसर/एसोसिएट प्रोफेसर/सहायक प्रोफेसर के समकक्ष हैं, उन्हें पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता दी जा सकती है यदि वे उपरोक्त मापदण्ड को पूरा करते हैं।

बशर्ते कि उन क्षेत्रों/विषयों में जहां कोई पीयर–रिव्यू या संदर्भित पत्रिकाएं नहीं है, या केवल सीमित संख्या में हैं, उच्चतर शिक्षण संस्थान लिखित रूप से उचित कारण दर्ज करते हुए शोध पर्यवेक्षक के रूप में किसी व्यक्ति की मान्यता के लिए उपरोक्त शर्त में छूट दे सकता है। **(बिन्दु क्रमांक 6.1 रेगूलेशन 2022)**

(2) एक ही विभाग या संस्थान के अन्य विभागों या अन्य संस्थानों के सह–पर्यवेक्षकों को सक्षम अधिकारी अनुमोदन से अनुमति दी जा सकती है। **(बिन्दु क्रमांक 6.1 रेगूलेशन 2022)**

(3) ऐसे संकाय सदस्य, जिनकी सेवानिवृत्ति को तीन वर्ष से कम की अवधि बची है, उन्हें अपने पर्यवेक्षण में नए शोधार्थियों को लेने की अनुमति नहीं होगी। बशर्ते कि, हालांकि, ऐसे संकाय अपनी सेवानिवृत्ति

---

* Regulation, 2022 (रेगूलेशन, 2022)

तक पहले से ही पंजीकृत शोधार्थियों का पर्यवेक्षण जारी रख सकते हैं और सेवानिवृत्ति के पश्चात् सह–पर्यवेक्षक के रूप में 70 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक ही कार्य कर सकते हैं उसके बाद नहीं। **(बिन्दु क्रमांक 6.5 रेगूलेशन 2022)**

(B) अन्तर्राष्ट्रीय छात्रों को पी–एच.डी. में प्रवेश :

(4) प्रत्येक पर्यवेक्षक पी–एच.डी. शोधार्थियों की अनुमति संख्या के ऊपर दो अंतर्राष्ट्रीय शोधार्थियों को एक अतिरिक्त आधार पर मार्गदर्शन कर सकता है, जैसाकि ऊपर खंड 6.3 में निर्दिष्ट है। **(बिन्दु क्रमांक 7.1 रेगूलेशन 2022)**

(5) उच्चतर शिक्षण संस्थान सम्बन्धित सांविधिक/नियामक निकायों द्वारा समय–समय पर जारी दिशा–निर्देशों/मानदंडों को ध्यान में रखते हुए अंतर्राष्ट्रीय छात्रों का पी–एच.डी. में दाखिले के लिए अपनी चयन प्रक्रिया स्वयं तय कर सकते हैं। **(बिन्दु क्रमांक 7.2, रेगूलेशन 2022)**

(6) किसी भी समय, पी–एच.डी. छात्रों की कुल संख्या, एक संकाय सदस्य के अधीन या तो पर्यवेक्षक या सह–पर्यवेक्षक के रूप में छात्रों की संख्या खंड 6.3 और खंड 7.1 में निर्धारित संख्या से अधिक नहीं होगी। **(बिन्दु क्रमांक 6.3 एवं 7.1, रेगूलेशन 2022)**

(C) अंशकालिक शिक्षा पद्धति के माध्यम से पी–एच.डी. :

(7) अंशकालिक पद्धति के माध्यम से पी–एच.डी. कार्यक्रम में प्रवेश लेने के लिए अभ्यर्थी को उस संस्थान के सक्षम अधिकारी द्वारा निर्गत एक "अनापत्ति प्रमाण पत्र" प्राप्त करना होगा, जहां अभ्यर्थी कार्यरत है और जिसमें यह स्पष्ट रूप से यह उल्लेख किया गया हो कि **(बिन्दु क्रमांक 13.2, रेगूलेशन 2022)**–

क. उम्मीदवार को अंशकालिक आधार पर अध्ययन करने की अनुमति देते हैं।

ख. उनके आधिकारिक कर्तव्य उन्हें शोध के लिए पर्याप्त समय देने की अनुमति देते हैं।

ग. यदि आवश्यक हुआ तो उन्हें कोर्स पूरा करने के लिए कार्यभार से मुक्त कर दिया जाएगा।

4. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (पी–एच.डी. उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदण्ड और प्रक्रिया) विनिमय, 2022 के बिन्दु क्रमांक 9(1) के अनुसार, आगामी होने वाले पी–एच.डी. कोर्स वर्क के पाठ्यक्रम (Syllabus) में क्रेडिट प्वाइन्ट 8 से बढ़ाकर 12 किये जाने की शोध मण्डल द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई। पाठ्यक्रम में यूनिट को क्रेडिट के रूप में समझा जाए। **(बिन्दु क्रमांक 9.1, रेगूलेशन 2022)**

5. डी.लिट. की उपाधि प्रदान करने हेतु एवं डी.लिट्. में प्रवेश लेने हेतु प्राप्त निम्न महानुभावों के आवेदन प्राप्त हुए–

अ. **डॉ. नम्रता कोठारी :** इनके आवेदन पर विचार–विमर्श के उपरान्त यह निर्णय लिया गया कि इनकी पुस्तकों की चार–चार प्रतियां पत्र भेजकर मंगाई जायें और तीन विषय विशेषज्ञों को मूल्यांकन हेतु माननीय कुलपति कार्यालय द्वारा भिजवायी जायें।

ब. **डॉ. तृप्ति जैन :** डी.लिट्. में प्रवेश हेतु शोध मण्डल द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई, इसके लिए वे शोध–निर्देशक के अन्तर्गत पंजीकृत की जा सकेंगी।

स. **डॉ. सुरेन्द्र भास्कर :** डी.लिट्. में प्रवेश हेतु शोध मण्डल द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई, इसके लिए वे शोध–निर्देशक के अन्तर्गत पंजीकृत किए जा सकेंगे।

6. शोध निर्देशक हेतु डॉ. वीरबाला छाजेड़ का आवेदन प्राप्त हुआ, आवेदन पर गहन विचार–विमर्श के उपरान्त शोध मण्डल द्वारा यह निर्णय लिया गया कि उनके द्वारा किये गये अकादमिक कार्य जैसे– शोध पत्र पब्लिकेशन आदि का विस्तृत विवरण मंगाया जाये, इसके उपरान्त उनको शोध निर्देशक बनाये जाने का पत्र दिया जा सकेगा।

7. अहिंसा एवं शांति विभाग के अन्तर्गत पंजीकृत शोधार्थी श्री भरत द्वारा सह–निर्देशक को उपलब्ध कराने एवं शोध शीर्षक में परिवर्तन के विषय में आवेदन प्राप्त हुआ। शोधार्थी के आवेदन पर विचार–विमर्श के उपरान्त दो बिन्दुओं पर शोध मण्डल द्वारा निर्णय लिया गया–

अ. सह–निर्देशक के निर्देशन में शोध कार्य सुचारू रूप से सम्पन्न हो सके, इस हेतु शोध मण्डल द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई।

ब. शोध शीर्षक में आंशिक परिवर्तन हेतु स्वीकृति दी जा सकती है, किन्तु उनके द्वारा अंतिम रूप से दिनांक 25.10.2023 को दिये गये आवेदन में विषय मूलतः परिवर्तित होने से शीर्षक में परिवर्तन की अनुमति नहीं दी जा सकती है, क्योंकि पुराने विषय पर शोध प्रबन्ध की रूपरेखा का प्रस्तुतिकरण किया जा चुका है। अतः यदि शोधार्थी शोध शीर्षक में अंतिम विषय रखना चाहे तो शोधार्थी को पुनः नवीन शोध प्रारूप प्रस्तुत करना होगा। इस आशय का पत्र शोधार्थी को भेज दिया जाये।

8. सत्र 2022–2023 एवं 2023–2024 में शोध कार्य हेतु नवीन शोधार्थियों के प्रवेश को शोध मण्डल द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई।
9. सत्र 2023–2024 में प्रवेश प्रक्रिया के अन्तर्गत अंग्रेजी विभाग में प्रतीक्षा सूची में रही अभ्यर्थी (शालिनी शेखावत) को पद रिक्त होने पर प्रवेश दिये जाने की शोध मण्डल द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई।
10. प्राकृत एवं संस्कृत विभाग के शोधार्थियों के संदर्भ में आवेदन/विभाग द्वारा सूचना दिये जाने के उपरान्त शोधार्थियों के सम्बन्ध में निम्नानुसार निर्णय लिया गया–
    अ. **श्री दिलीप कुमार जैन** : प्रवेशार्थी द्वारा स्वयं ही शोध कार्य करने की असमर्थता व्यक्त की गई, इसलिए शोध मण्डल द्वारा इनके प्रवेश को निरस्त किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गई।
    ब. **श्री जितेन्द्र कुमार राव** : प्राकृत एवं संस्कृत विभाग द्वारा कई बार कार्य प्रगति एवं शुल्क जमा करने के सम्बन्ध में पत्र द्वारा सूचित किया गया, किन्तु किसी प्रकार के यथोचित प्रत्युत्तर प्राप्त न होने के कारण शोधार्थी का प्रवेश शोध मण्डल द्वारा निरस्त किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गई।
    स. **श्री खुशवन्त सिंह** : प्राकृत एवं संस्कृत विभाग द्वारा कई बार कार्य प्रगति एवं शुल्क जमा करने के सम्बन्ध में पत्र द्वारा सूचित किया गया, किन्तु किसी प्रकार के यथोचित प्रत्युत्तर प्राप्त न होने के कारण उनके द्वारा पुनः सम्पर्क अथवा पत्र के माध्यम से शोध कार्य सम्बन्धी अंतिम निर्णय का विवरण प्राप्त करने के उपरान्त ही प्रवेश निरस्त किये जाने की कार्यवाही की जाये।
    द. **पूनम गर्ग** : शिक्षा विभाग की शोध छात्रा पूनम गर्ग से शोध निर्देशक प्रो. बी.एल. जैन ने शोध कार्य की प्रगति हेतु सम्पर्क किया तथा पंजीयन पत्र भेजा, लेकिन शोधार्थी ने कोई जवाब नहीं दिया। अतः अंतिम बार एक पत्र भेजा जाये जिसमें यह उल्लेख हो कि पत्र प्राप्ति के 15 दिनों में जवाब नहीं आने पर पंजीयन स्वतः निरस्त हो जायेगा।
11. दिनांक 03.01.2022 की शोध मण्डल की बैठक के निर्णयानुसार एजेण्डा बिन्दु 13 के अन्तर्गत ओरिएन्टेशन प्रोग्राम किया जाना था, किन्तु अपरिहार्य कारणों से वह सम्पन्न नहीं हो सका। इसे सत्र 2023–2024 के कोर्स वर्क के द्वितीय चरण (II Phase) में एक दिन ओरिएन्टेशन प्रोग्राम रखे जाने की स्वीकृति प्रदान की गई।
12. अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के शोधार्थियों के प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा आर.ई.टी. (RET) के आधार पर ही प्रवेश दिया जायेगा तथा उनकी कुल फीस प्रत्येक स्तर पर भारतीय मुद्रा की सामान्य फीस से तीन गुना बढ़ाकर लिए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई।
13. रेग्युलेशन 2022 को जनवरी, 2023 से लागू किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गई।
14. विदेशी छात्रों के निमित्त से तथा अंश कालिक (Part time) शोधार्थी के लिए आवेदन प्रपत्र में विदेश में रहने या जॉब में संलग्न होने का कालम बढ़ाना चाहिए। इसे शीघ्र पूरा किए जाने का निर्णय लिया गया।
15. संस्थान में शोधार्थियों के पंजीयन की अवधि कुल 6 वर्ष है। इससे अधिक समय को बढ़ाया नहीं जाए। अतः अब नियमों में यह बदलाव किया जाता है कि पंजीयन 5 वर्ष के लिए होगा तथा अधिकतम 6–6 माह के लिए कुल 1 वर्ष के लिए सशुल्क पंजीयन बढ़ाये जाने की स्वीकृति प्रदान की गई।
16. संस्थान की पी–एच.डी. अध्यादेश 2018 (Ph.D. Ordinance 2018) में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (पी–एच.डी. उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदण्ड और प्रक्रिया) विनिमय, 2022 [University Grants Commission (Minimum Standards and Procedures for Award of Ph.D. Degree) Regulation, 2022] के नियमों को सम्मिलित करते हुए अद्यतन अपग्रेड करने पर सहमति बनी।

अन्त में अध्यक्ष महोदय तथा सभी सदस्यों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

2.11.23

(प्रो. जिनेन्द्र कुमार जैन)
निदेशक, शोध

प्रतिलिपि–

1. समस्त शोध मण्डल के सदस्य
2. निजी सचिव, कुलपति महोदय
3. निजी सहायक, कुलसचिव महोदय
4. विशेष आमंत्रित सम्माननीय सदस्य
5. प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी (विभागाध्यक्ष, जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन विभाग के प्रतिनिधि)

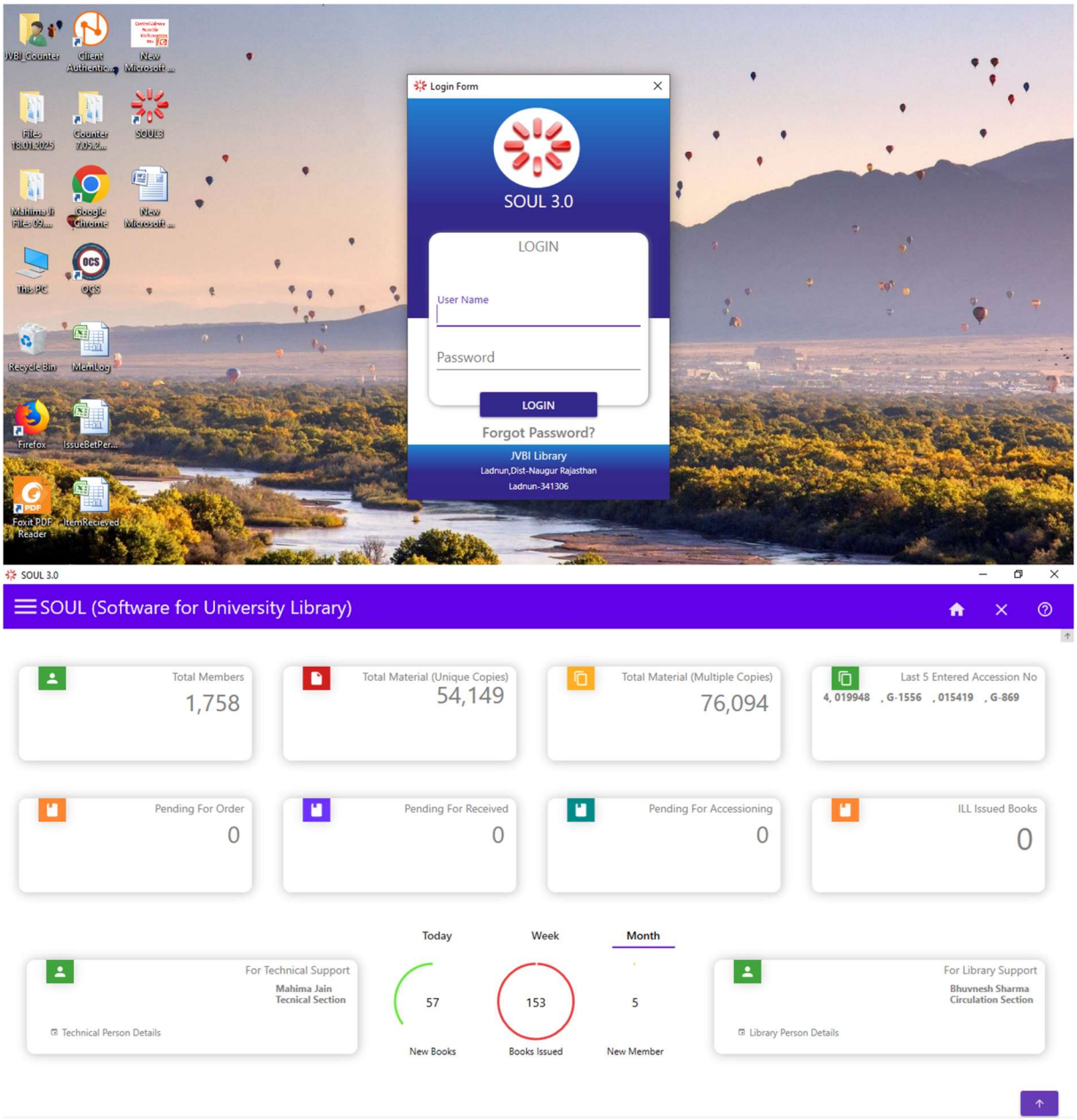
Login Form
SOUL 3.0
LOGIN
User Name
Password
LOGIN
Forgot Password?
JVBI Library
Ladnun,Dist-Naugur Rajasthan
Ladnun-341306
SOUL 3.0
SOUL (Software for University Library)
Total Members
1,758
Total Material (Unique Copies)
54,149
Total Material (Multiple Copies)
76,094
Last 5 Entered Accession No
4, 019948 , G-1556 , 015419 , G-869
Pending For Order
0
Pending For Received
0
Pending For Accessioning
0
ILL Issued Books
0
Today
Week
Month
For Technical Support
Mahima Jain
Tecnical Section
Technical Person Details
57
New Books
153
Books Issued
5
New Member
For Library Support
Bhuvnesh Sharma
Circulation Section
Library Person Details

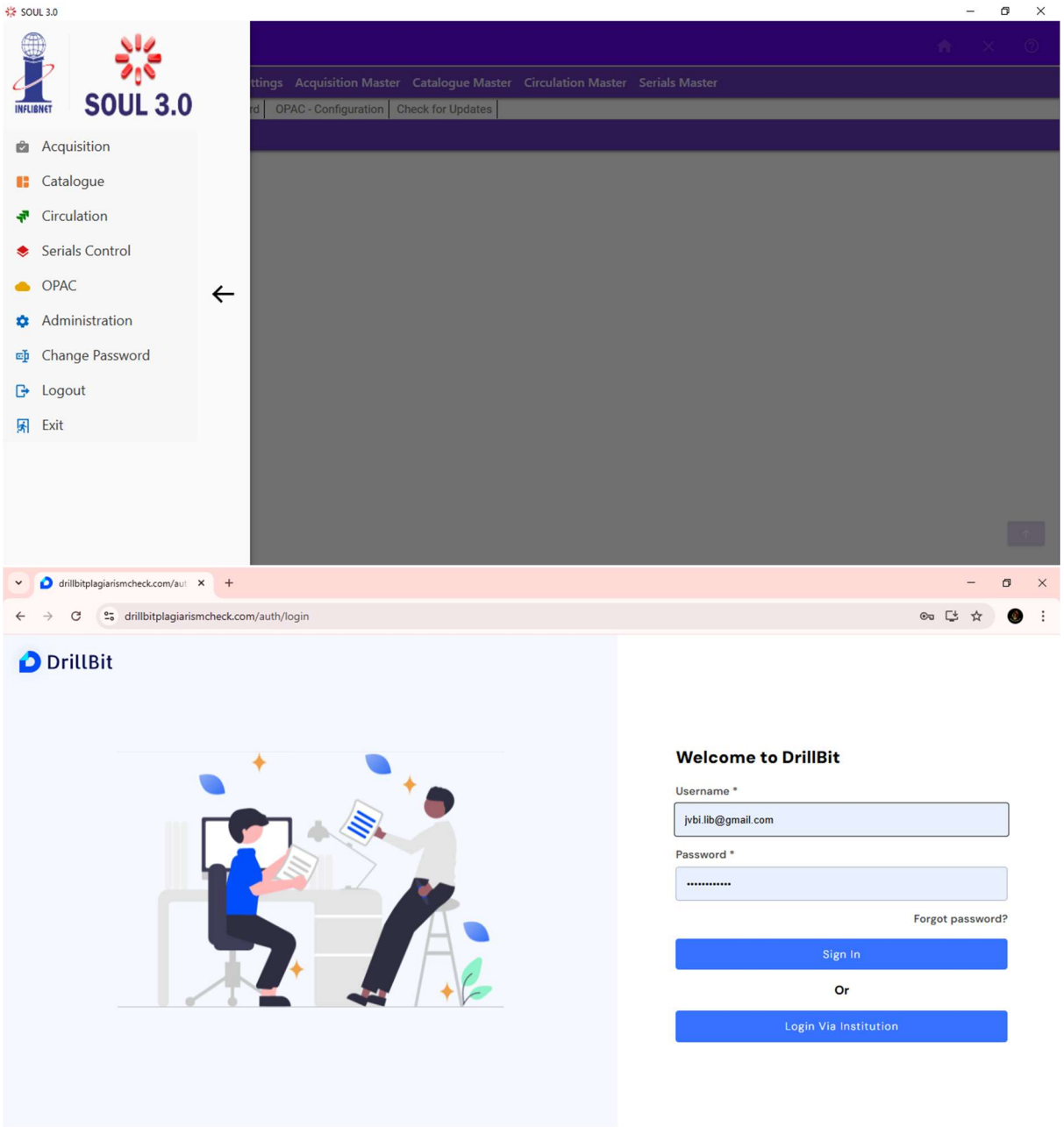
SOUL 3.0
INFLIBNET
SOUL 3.0
Acquisition
Catalogue
Circulation
Serials Control
OPAC
Administration
Change Password
Logout
Exit
ttings
Acquisition Master
Catalogue Master
Circulation Master
Serials Master
OPAC - Configuration
Check for Updates
drillbitplagiarismcheck.com/auth/login
DrillBit
Welcome to DrillBit
Username *
jvbi.lib@gmail.com
Password *
Forgot password?
Sign In
Or
Login Via Institution

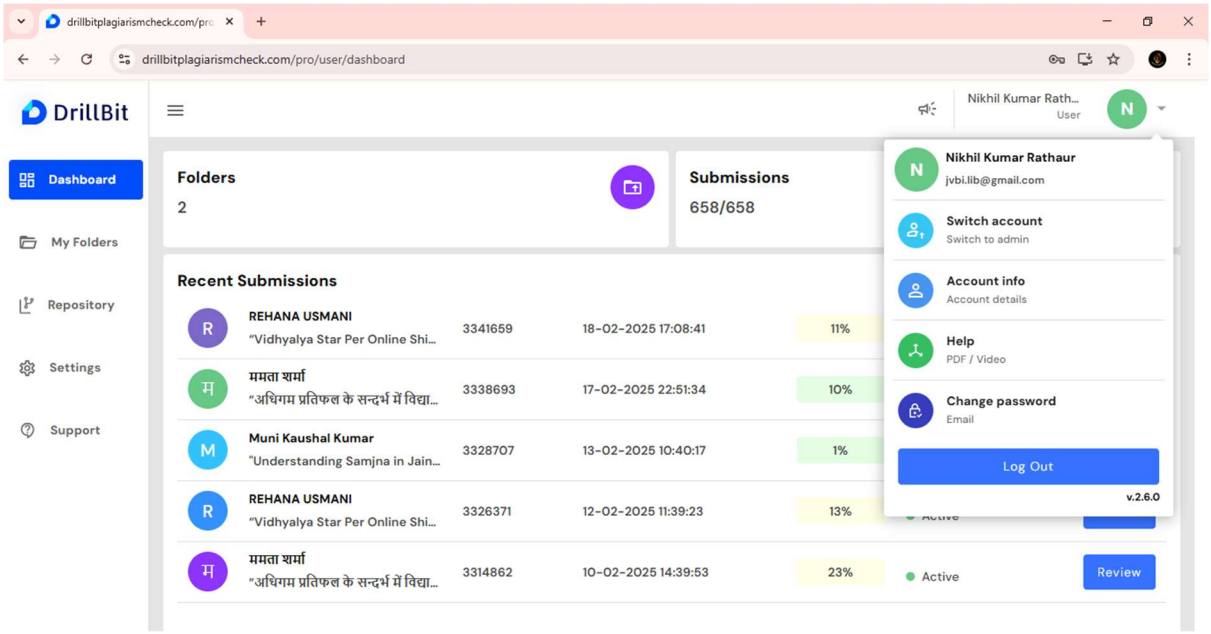
drillbitplagiarismcheck.com/pro/user/dashboard
DrillBit
Dashboard
My Folders
Repository
Settings
Support
Nikhil Kumar Rath...
User
Folders
2
Submissions
658/658
Recent Submissions
REHANA USMANI
"Vidhyalya Star Per Online Shi...
3341659
18-02-2025 17:08:41
11%
ममता शर्मा
"अधिगम प्रतिफल के सन्दर्भ में विद्या...
3338693
17-02-2025 22:51:34
10%
Muni Kaushal Kumar
"Understanding Samjna in Jain...
3328707
13-02-2025 10:40:17
1%
REHANA USMANI
"Vidhyalya Star Per Online Shi...
3326371
12-02-2025 11:39:23
13%
ममता शर्मा
"अधिगम प्रतिफल के सन्दर्भ में विद्या...
3314862
10-02-2025 14:39:53
23%
Active
Review
Nikhil Kumar Rathaur
jvbi.lib@gmail.com
Switch account
Switch to admin
Account info
Account details
Help
PDF / Video
Change password
Email
Log Out
v.2.6.0

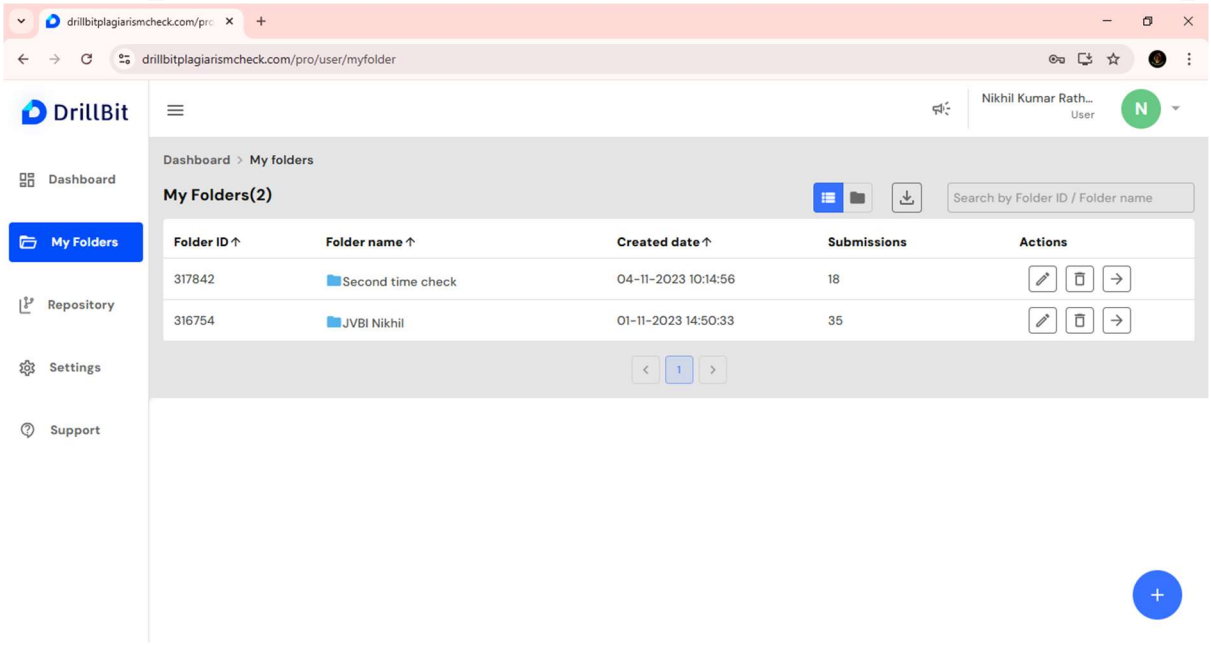
drillbitplagiarismcheck.com/pro/user/myfolder
DrillBit
Dashboard
My Folders
Repository
Settings
Support
Nikhil Kumar Rath...
User
Dashboard > My folders
My Folders(2)
Search by Folder ID / Folder name
Folder ID
Folder name
Created date
Submissions
Actions
317842
Second time check
04-11-2023 10:14:56
18
316754
JVBI Nikhil
01-11-2023 14:50:33
35
1

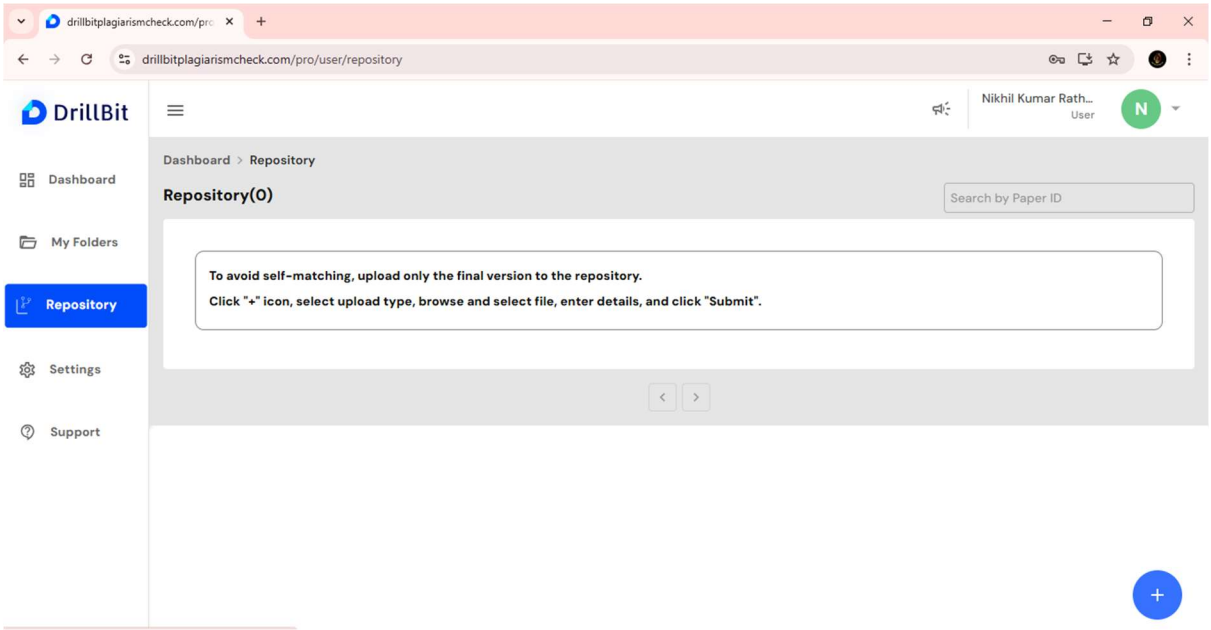

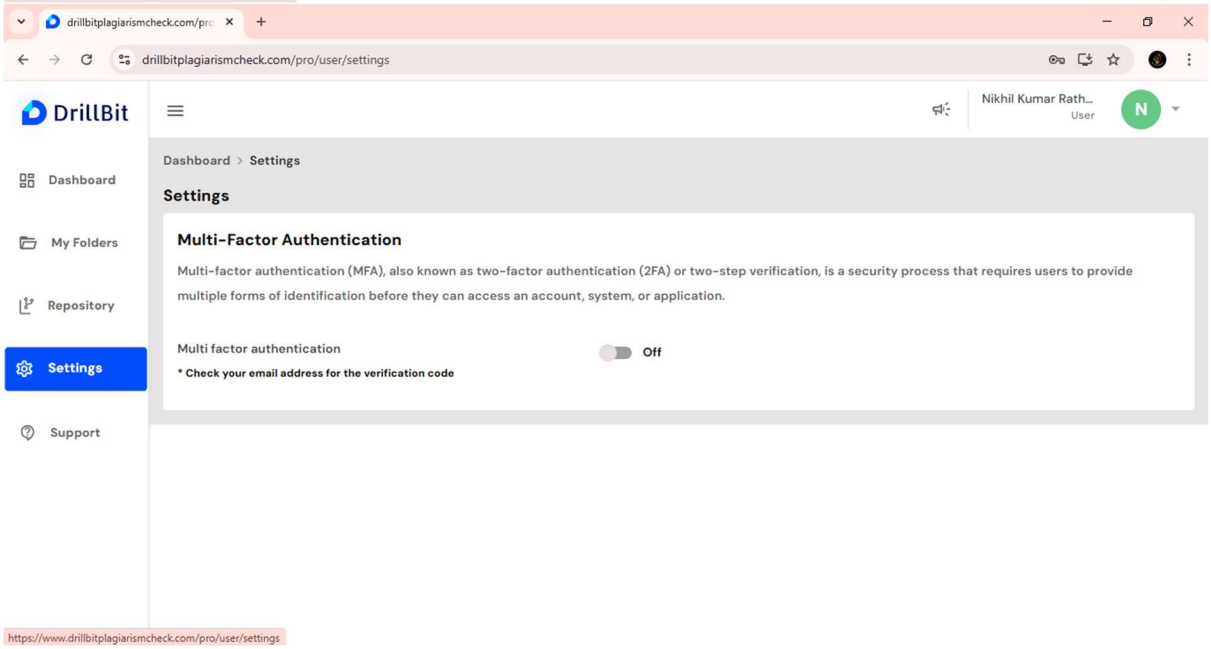

https://www.drillbitplagiarismcheck.com/pro/user/settings

12. RESEARCH COMMITTEES

12.1. Subject to the general superintendence of the Academic Council, the following Committees shall deal with all matters connected with the Ph.D. programme of the Institute in accordance with these ordinances:

1. The Research Board of the Institute (RB)
2. Research Advisory Committee (RAC)

12.1.1. There shall be a the Research Board of the Institute (RB) consisting of the following:

RAC

i. Vice Chancellor -Chairman
ii. Heads of the Departments -Members
iii. Concerned Supervisors (if matter of the their students in RB) -Members
iv. Any special Invitees -Members
v. Director Research -Secretary

12.1.1.1. Functions of RB shall be the following:

1. Research matter will be reported, discussed and approved by the board
2. Make appropriaterecommendations to academiccouncil.
3. To ensure the implementations of rules and regulations of the JVBI ordinance.
4. Supervision of overall research activity of the institute

12.1.2. There shall be a Research Advisory Committee (RAC), for each M.Phil. and Ph.D. scholar consisting of the following:

i. Concerned Head of Department - Chairman
ii. Co-supervisor - Member
iii. One Nominee of RB - Member
iv. One Expert from outside of the department - Member
v. Concerned Supervisor - Convener

12.1.2.1. Experts mentioned in Clauses 12.1.3 (IV) above shall be nominated by the concerned Head of Department and approved by the Vice Chancellor.

12.1.2.2. Functions of RACshall be the followings:

1. To review the research proposal and finalize the topic of research;
2. To guide the research scholar to develop the study design and methodology of research and identify the course(s) that he/she may have to do.

Six-month Course Work for Ph.D. Programme

Syllabus (12 Credits)

Paper-I: Research Methodology and Computer Applications (8 Credits)

Paper-II: Concerned Subject Syllabus (4 Credits)

Unit-I Concept and Meaning of Research, Empirical and Library based Research in the field of Social Sciences and Humanities, Objectives of Research.
Methods and Types of Research: (a) Historical (b) Descriptive (c) Content Analysis (d) Case Study (e) Experimental (f) Social Survey (f) Action Research; Interdependence of various methods.

Unit-II **Research Design:** Formulation of Research Problem; Review of Published Work, Objectives, Hypothesis, Methodology, Chapterisation, Bibliography.
Tools and Techniques of Data Collection:
(a) Observation, (b) Interviews, (c) Questionnaire and Schedule; Sampling.

Unit-III **Data Processing and Analysis:** Coding, Classification, Tabulation and Analysis; Graphical Presentation; Statistical Interpretation of Data-Frequency distribution-Mean, Median Mode, and Standard Deviation.

Unit-IV **Report Writing, References, Bibliography:** Writing of Research Report: Presentation, verification, Footnotes/References, Bibliography.

Unit-V **MS Office:** MS Word, MS Excel, MS Power Point,
Internet & its Basics: Introduction to Internet, World Wide Web, Web Browser, E-mail, Searching & Downloading. Use and Importance of MS Office, Internet in Research.

Unit-VI **Philosophy and Ethics:** Introduction to philosophy: definition, nature and scope, concept, branches, Ethics: definition, moral philosophy, nature of moral judgments and reactions.

Unit-VII **Plagiarism: Scientific Conduct:** Ethics with respect to science and research, Intellectual honesty and research integrity, Scientific misconducts: Falsification, Fabrication, and Plagiarism (FFP), Redundant publications: duplicate and overlapping publications, salami slicing, Selective reporting and misrepresentation of data.

Unit-VIII **Plagiarism: Publication Ethics Practice:** Publication ethics: definition, introduction and importance, Best practices/standards setting initiatives and guidelines: COPE, WAME, etc., Conflicts of interest, Publication misconduct: definition, concept, problems that lead to unethical, behavior and vice versa, types, Violation of publication ethics, authorship and contributor ship, Identification of publication misconduct, complaints and appeals, Predatory publishers and journals.

Books Recommended:

1. Goode and Hatt, Methods in Social Research.
2. Joseph Gibaldi, MLA Handbook of writers of Research Paper, Affiliated East West Press Pvt. Ltd., New Delhi.